1. PM Modi: टाटा के विमान निर्माण प्लांट के उद्घाटन पर बोले PM मोदी- ये 'मेक इन इंडिया' मिशन को मजबूती देगा

2. पुलिस हिरासत में मौत: पीड़ित परिवार से मिले सीएम योगी, 10 लाख की आर्थिक मदद; बच्चों की शिक्षा की फ्री व्यवस्था

सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 10 अंक : 104 | इंदौर, सोमवार 28 अक्टूबर, 2024 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

शहर में नए पीसी के आते ही एक्शन मोड में पुलिस ...

संतोषसिंह के आते ही गुंडे-बदमाशों में फिर दिखने लगा पुलिसिया खौफ

विभाग में भी नए पुलिस कमिश्नर की सख्ती को लेकर हो रही चर्चा

@ पुष्पेन्द्र पुष्प

इंदौर। इंदौर पुलिस के नए कमिश्नर के रूप में संतोष कुमार सिंह ने आमद देते हुए पदभार ग्रहण कर लिया और अपनी अनोखी कार्यशैली के अनुरूप अपना कार्य भी शुरू कर दिया है। इंदौर पुलिस के नए कप्तान के आगमन पर डीजीआर ग्रुप परिवार की ओर से भी शुभकामनाएं उनका स्वागत करता है। श्री सिंह के कार्यभार संभालते ही इंदौर पुलिस एक्शन मोड में दिखाई दे रही है और शहर में क्राइम कंट्रोल करने के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी जोन के अधिकारी खुद सडक़ पर उतरकर जायजा ले रहे हैं। इस अभियान में असामाजिक तत्वों की धरपकड़ से गुंडे-बदमाशों में अब पुलिसिया खौफ दिखाई देने लगा है।

हालांकि पहले भी इनमें पुलिस का खौफ था, लेकिन उतना नहीं, जितना अब है, क्योंकि संतोष कुमार सिंह अपराधियों के खिलाफ काफी हैं, यह उनके पहले के कार्यकाल यानि डीआईजी के रूप में कार्यकाल के दौरान सभी देख चुके हैं। उनके आने के बाद एक ओर जहां गुंडे बदमाशों में खौफ है तो वहीं अपराधियों को डर सता रहा है । लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने वाले संतोष कुमार सिंह की कार्यशैली को लेकर विभाग में भी अधिकारियों के

बीच तरह तरह की चर्चाएं हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आईपीएस संतोष कुमार सिंह के कंधों पर बड़ी जावदारी डाली है उन्हें पुलिस कमिश्नर बनाकर इंदौर में पदस्थ किया गया है। वहीं राकेश गुप्ता को उन्होंने अपना ओएसडी बनाया है। संतोष सिंह पुलिस महकमें में एक ऐसा नाम है जिनका नाम लेते ही बदमाश जंहा दुबक जाते हैं तो वहीं लापरवाह अफसरो की शामत आ जाती है।

इंदौरवासी नहीं भूले पूर्व का कार्यकाल

संतोष सिंह इंदौर पुलिसिंग के लिए कोई नया नाम नही हैं। 8 साल पहले बतौर डीआईजी वह इंदौर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। आज तक इंदौरवासी उनके कार्यकाल को नहीं भूले हैं। उनका नाम आते ही गुंडे बदमाश जहां दहशत में आ जाते हैं तो वहीं आमजन इस बात से बेखौफ हो जाते हैं कि संतोष सिंह है तो उन्हें चिंतित होने की जरूरत नहीं है। अब जब वे कमिश्नर बनकर इंदौर आए हैं तो कद तो बड़ा ही साथ ही आमजन की अपेक्षाएं भी उनसे बढ गई हैं।

कई बदमाशों ने छोड़ दिया था शहर

जब संतोष सिंह कमिश्नर बनकर इंदौर आ रहे हैं तब यहां कमिश्नरी लागू है आज पुलिस पहले से कई गुना हाइटैक भी हो चुकी है। कमिश्नरी में शहर को चार झोनों में बांटा गया है और चार एसपी स्तर के अफसर तैनात हैं लेकिन आठ साल पहले की बात करें जब श्री सिंह डीआईजी थे तब उतने संसाधन और उतने अफसर और पुलिसकर्मी नहीं थे तब भी उन्होनें पुलिस का कद इतना बढा दिया था कि बदमाश उनके नाम से थरराते थे। डीआईजी रहते गुंडे बदमाशों के शार्ट एनकाउंटर तक हुए। हाथ पैर टूटने के डर से कई बदमाशों ने शहर छोड़ दिया था। वहीं गैंगवार तक शहर में खत्म हो चुका था।

क्राइम कंट्रोल करके दिखाया

मुख्यमंत्री यादव आईपीएस संतोष कुमार सिंह की कार्यप्रणाली से अ'छी तरह वाकिफ हैं। जब इंदौर में गुंडो का दखल बड़े पैमाने पर था तब संतोष सिंह ने उनका फन पूरी तरह से कुचल दिया था। राजनैतिक दबाव में कभी रहकर उन्होंने काम करना स्वीकार नहीं किया। तबादला हो जाए वो उन्हें चलेगा लेकिन दबकर नौकरी करना कभी भी सिंह को स्वीकार ही नहीं रहा। यही वजह रही कि जहां पोस्टिंग हुई वहां क्राइम कंट्रोल करके दिखाया।

नशे पर कड़ा प्रहार

इंदौर में नशे का कारोबार चरम पर चल रहा है। खुद कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मु यमंत्री से खुले मंच से नशे के कारोबार पर कड़ा प्रहार करने की मांग की थी। यही वजह रही कि मुख्यमंत्री यादव ने संतोष सिंह की पोस्टिंग की ताकि गुंडे बदमाशों की तरह ही पैडलरों पर भी वह उसी अंदाज में शिकंजा कसें। सूत्रों का कहना है कि उन्हें मु यमंत्री ने फ्री हैंड इंदौर भेजा है और साफ शब्दों में कहा कि आप बगैर किसी दबाव प्रभाव में काम करें कानून व्यवस्था मजबूत हो ताकि आमजन सुकून से रह सकें।

शास्त्री ब्रिज से भार कम करने के लिए हटाए जा रहे है हेवी रोड डिवाइडर

डिवाइडर के हटने से ब्रिज से भार कम होगा

हेवी डिवाइडर के स्थान पर नए और छोटे स्तर के पक्के डिवाइडर का काम जारी

नए डिवाइडर बनने से ब्रिज की लाइफ और बढ़ जाएंगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले अतिव्यस्त शास्त्री ब्रिज पर ट्रैफिक लेन को विभाजित करने और नियंत्रण से बाहर वाहनों को आने वाले ट्रैफिक से टकराने से रोकने के लिए लगाए गए कभी पीले और काले कलर के हेवी रोड डिवाइड, जिसे अंग्रेजी में प्रीकॉस्ट रोड डिवाइड कहा जाता है, अब ब्रिज पर कभी नजर नहीं आएंगे। ब्रिज पर लगभग 400 किलो वजनी वाले 162 रोड डिवाइडर रखे गए थे जिसमें से निगम 140 डिवाइडर उठा चुका है। शेष डिवाइडर को हटाने की कार्यवाही जारी है। हेवी रोड डिवाइड के हटने से 71 साल पुराने शास्त्री ब्रिज से लगभग 64 हजार 800 किलोग्राम लोड एकदम कम हो जाएगा। ब्रिज से हेवी रोड डिवाइडरो को हटाकर उसके स्थान पर नगर निगम सीमेंट क्रॉकींट के छोटे स्तर के पक्के डिवाइडर बना रहा है। ब्रिज पर जो नए डिवाइडर बनाए जा रहे है उस पर सेंट्रल लाइटिंग और आसपास रेलिंग लगाई जाएंगी। निगम इस प्रोजेक्ट पर लगभग 19 लाख रुपए खर्च कर रहा है।

ब्रिज से भार कम करने के लिए निगम ने उठाया कदम

71 साल पुराने शास्त्री ब्रिज टू लेन का है और इस ब्रिज पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सड़क के बीच पीले और काले कलर के हेवी रोड डिवाइडर विगत कई सालों से रखे है। सीमेंट और लोहे से बने रोड डिवाइडर की लम्बाई पांच फीट और चौड़ाई 3.5 फीट है इसका वजन लगभग 400 किलोग्राम है। इस तरह के डिवाइडर को अंग्रेजी में

प्रीकॉस्ट रोड डिवाइडर कहते है। ट्रैफिक की सुहलियत के लिए ब्रिज पर 400 वजनी वाले 162 डिवाइडर रखे थे। इस तरह से ब्रिज पर 64800 किलो ग्राम वजन और बढ़ गया था। ब्रिज पर बढ़ते भार को कम करने के लिए निगम ने हेवी रोड डिवाइडर को हटाना शुरु कर दिया है। निगम ब्रिज से 162 में 140 डिवाइडर हटा चुका है जबकि 22 डिवाइडर हटाना शेष है।

ब्रिज पर लगातार बढ़ता जा रहा है बोझ

पुराने इंदौर (पश्चिमी इंदौर एमजी रोड) को नए इंदौर (पूर्वी इंदौर पलासिया की ओर) से जोड़ने वाला शास्त्री ब्रिज शहर का सबसे महत्वपूर्ण ब्रिज है । शास्त्री ब्रिज का लोकार्पण 12 जनवरी 1953 को तत्कालीन रेल मंत्री लालबहादुर शास्त्री ने किया था। इस तरह यह ब्रिज करीब 71 साल पुराना है और अपनी उम्र पूरी कर चुका है। इतना पुराना होने के बाद भी ब्रिज पूरी तरह से डटा हुआ है, अब जिस तरह से शहर में वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है उसको देखते हुए ब्रिज पर भी वाहनों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। आरटीओ कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिदिन 700 से 800 रजिस्टर्ड वाहन शहर की सड़कों पर उतर रहे हैं, इसका असर ब्रिज पर साफ देखा जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में ब्रिज पर प्रतिदिन साढ़े तीन से चार लाख वाहन उतरते और चढ़ते है। इस कारण लगभग ब्रिज को चौड़ा करने की भी खूब आवश्यकता है।

दीपोत्सव में दिखा रंगों के साथ संस्कृति का संगम

इंडेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड आर्ट्स साइंसेस. मालवांचल यूनिवर्सिटी में दीपोत्सव आयोजित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंडेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड आर्ट्स साइंसेस. मालवांचल यूनिवर्सिटी में दीपोत्सव आयोजित किया। दीपावली से पहले इंडेक्स समूह संस्थान मालवांचल यूनिवर्सिटी में उत्साह एवं उमंग के साथ शुरूआत हुई। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी छात्राओं ने कॉलेज में दीपोत्सव मनाया।

छात्राएं, पर्यावरण संदेश देती रंगोली को विविध रंगों में सजाकर, तो कहीं दीयों व तोरण सजा कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। पूजा की थाली की सजावट,ग्रीटिंग कार्ड ,व्यंजन प्रतियोगिता से लेकर विभिन्न प्रतियोगिता में छात्रों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने रंगोली व दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया। दीपोत्सव पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकनृत्य की शानदार प्रस्तुति छात्रों द्वारा दी गई। इस अवसर पर मालवांचल यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार एवं मैनेजमेंट कॉलेज डीन डॉ. लोकेश्वर सिंह जोधाणा ने कहा कि सनातन धर्म के इस त्यौहार में आप सूर्य की किरण की तरह, दीयों की रोशनी की तरह अपने जीवन को जगमगाती रहे ।नई ऊर्जा के साथ जीवन के हर सुख को प्राप्त करें।इंडेक्स समूह संस्थान और मालवांचल यूनिवर्सिटी की तरफ से सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। मालवांचल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ.संजीव नारंग,डीन डॉ.जीएस पटेल,एडिशनल डायरेक्टर इंडेक्स समूह डॉ.आर सी यादव,डायरेक्टर मैनेजमेंट कॉलेज रुपेश वर्मा,एचओडी मैनेजमेंट डॉ.तपेश दुबे सहित समूह संस्थान के डीन एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए।

बिजली लाइनों से आतिशबाजी दूर करने की अपील

इंदौर। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी उपभोक्ताओं, आम लोगों से दीपोत्सव के दौरान बिजली लाइनों, बिजली उपकरणों, बिजली संसाधनों से आतिशबाजी दूर करने की अपील की है। कंपनी ने कहा कि बिजली तार, केबल, ट्रांसफार्मर आदि के पास या लाइनों के नीचे पटाखे चलाने से हादसा हो सकता है, केबल पिघल सकती है, तार टूट सकते या अन्य परेशानी, आकस्मिक परिस्थिति निर्मित हो सकती है। कंपनी ने कहा कि उपभोक्ता, आमजन लाइनों, ट्रांसफार्मरों, ग्रिड, केबल से पर्याप्त दूरी पर ही पटाखे चलाए। लाइनों के नीचे विशेषकर अनार, राकेट, स्काय शाट (बम) आदि चलाने से बचा जाए। यह आमजन और बिजली संसाधनों की सुरक्षा के लिए बहुत आवश्यक है। बिजली कंपनी की ओर से दीपोत्सव के दौरान अस्थाई पटाखा या अन्य सामग्री विक्रेताओं से भी वैध कनेक्शन लेकर कारोबार करने की अपील भी की गई है। पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने कर्मचारियों और अधिकारियों को भी सुरक्षा नियमों के पालन एवं सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के साथ बिजली का कार्य करने, कराने के निर्देश दिए हैं।

भिलाला समाज के सम्मेलन में इंदौर पहुंचे सीएम मोहन यादव

धर्मशाला के लिए दिए 5 करोड़ रु, कहा- जब-जब चुनौतियां आई समाज पीछे नहीं रहा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर में भिलाला समाज के प्रांतीय परिचय सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने समाज की धर्मशाला के लिए 5 करोड़ रुपए की राशि देने का ऐलान किया है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा- भिलाला समाज से पूरा अंचल भरा हुआ है। जब-जब चुनौतियां आई यह समाज कभी पीछे नहीं रहा। जब हमारी सरकार बनी तो हमने खरगोन में क्रांतिकारी टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय का निर्माण किया। आज समाज में कई प्रतिभाएं निकल कर आ रही है। कोई आईएएस, कोई आईआरएस

बना है। हमारे लोग भोले हैं, इसका लोग दुरुपयोग करते हैं। आज सामाजिक कुरीतियों को दूर करके आपने आगे बढ़ने का निर्णय लिया उसके लिए बधाई देता हूं। बोलियां और भाषा का संभालने की जरूरत हैं। कई पीढ़ियां लग जाती है इनको सहेजने में। दुश्मन धर्म परिवर्तन, लैंड जिहाद के नाटक ला रहे हैं। लेकिन चिंता मत करो, आप आगे बढ़ो सरकार आपके साथ हैं। शासन की योजनाओं के माध्यम से सरकार सबसे पहले आपके समाज की मदद करेगी।

समाज स्तर पर नशा मुक्ति अभियान चलाना चाहिए

मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि हमारा समाज अब आगे बढ़ रहा है। लेकिन, समाज में कुरीतियां भी हैं। समाज के लोगों का धर्मांतरण किया जा रहा है। धर्मांतरण के बाद जो आरक्षण का लाभ ले रहे हैं, उनका आरक्षण खत्म होना चाहिए। आज समाज में जिस प्रकार शराब का सेवन हो रहा है, उसके खिलाफ हमें समाज स्तर पर नशा मुक्ति अभियान चलाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा- आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगे बढ़ाने का काम किया है। वे हमारे समाज के सम्मेलन आएं और हमें गौरवांवित किया है।

फेमिना मिस इंडिया निकिता पोरवाल इंदौर पहुंची

एयरपोर्ट पर मंत्री सिलावट ने किया स्वागत, बोले- मध्यप्रदेश का नाम किया रोशन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब जीतकर मध्यप्रदेश का मान बढ़ाने वाली निकिता पोरवाल रविवार को इंदौर पहुंची। एयरपोर्ट पर मंत्री तुलसी सिलावट ने स्वागत किया। इस दौरान मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि, हम सब के लिए गर्व का विषय है कि बिटिया निकिता ने अपने परिश्रम और लगन से इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को जीतकर मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है। निकिता पोरवाल 2026 में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

बुजुर्ग को चाकू घोंपा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हाथीपाला क्षेत्र में दो बदमाशों ने एक बुजुर्ग को रोका और शटर खरीदने के बहाने एक तरफ ले जाकर चाकू घोंप दिया। हमले के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस हमलावरों की पहचान के साथ तलाश मे जुट गई है। थाना रावजी बाजार पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी की वारदात हाथीपाला रोड पर मालवा शटर दुकान के पास हुई। घायल का नाम अब्दुल हमीद (65) है। उनकी रिपोर्ट पर दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि सफेद रंग के स्कूटर पर सवार होकर दो लडके मेरे पास आए और मुझसे बोले कि हमें शटर खरीदना है तो शटर दिलवा दीजिए। उन्होंने अपने मोबाइल फोन पर किसी से बात भी करवाई जिसने मुझसे कहा कि इन्हें शटर दिलवा दो। मैं उन दोनों युवकों को साथ लेकर मालवा शटर दुकान के पास गया। वहां दोनों युवकों की बात करवा दी। इसके बाद वे युवक मुझे वहां से बातों में उलझाकर मेन रोड हाथीपाला की तरफ ले गए। वहां बातचीत करने लगे। उसी दौरान अचानक एक मूंछ वाले युवक ने मुझे पर चाकू से वार कर दिया। चाकू पुट्ठे में लगा। घायल होने पर मैंने शोर मचाया तो आरोपी वहां भाग गए।

चाकू से हमला

चंदननगर इलाके में बच्चों के विवाद में आरोपी के घर समझाने गए फरियादी पर आरोपियों ने लात घूसों और चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक विवाद चांदमारी ईंट भट्टा में हुआ। घायल का नाम जितेंद्र पिता तुलसीराम चौहान है। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी सन्नी,सौरभ और मुन्ना के खिलाफ केस दर्ज किया गया। फरियादी ने बताया कि मैं आरोपी सन्नी को समझाने उसके घर गया तो उसकी मां अनीता बाई मिली। मैंने बोला कि आप उसे समझा लो यह बोल कर वापस घर आ गया। थोड़ी देर बाद आरोपी आए और गालियां दी। लात घूसों से मारपीट की। मुझे चाकू से मार दिया। चाकू सिर और जांघ पर लगने चोट आई।

मोबाइल चोर पकड़ाया

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने मोबाइल चोर को पकड़ा है। उसके कब्जे से चोरी किये गए 8 मोबाइल बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सस्ते दामों पर मोबाइल बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। उक्त सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने घेराबंदी कर शिवम पिता गंगाधर आझे निवासी विकास नगर देवास को गिरतार किया। पूछताछ करने पर उसने बस आदि में पडने लिथने वाले छात्रों को निशाना बनाकर मोबाइल चोरी करना कबूल किया। उसने पिछले एक माह में भंवरकुआं,एरोड्रम,छत्रीपुरा थाना क्षेत्रों में &5 मोबाइल चोरी करना कबूल किया है। पुलिस ने उससे करीब 8 मोबाइल बरामद कर लिए हैं और चोरी के अन्य मोबाइल के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

दहेज में मांगे 50 लाख रुपए

इंदौर। मायके से दहेज में 50 लाख रूपए न लाने पर नवविवाहिता को पति ने प्रताड़ित कर दिया। पुलिस ने पति पर केस दर्ज किया है। महिला थाना पुलिस ने फरियादी अनुराधा शर्मा निवासी विजयनगर की शिकायत पर उसके पति हरिकिशन शर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीडिता ने पुलि को बताया कि आरोपी पति पिछले दो साल से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताडित कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस कारण वह कुछ समय से अलग रह रही है। वहां भी उसे परेशान किया जा रहा है। महिला थाना पुलिस ने इसी तरह दूसरा प्रकरण पीडिता रूचिका पुरोहित निवासी गोयल एवेन्यू निपानिया की शिकायत पर दर्ज किया है। महिला ने पुलिस बताया कि पति अभिषेक पुरोहित,सास लक्ष्मी,देवर योगेश और ननद समीक्षा सभी निवासी रायपुर उसे प्रताडित कर रहे हैं।

जूनियर डाक्टर को सीनियर ने पीटा

इंदौर। अरबिंदो अस्पताल में डयूटी के दौरान डाक्टरों के बीच विवाद और मारपीट हो गई। सीनियर डाक्टरों ने जूनियर को चप्पल से पीट दिया। थाना बणगंगा पुलिस के मुताबिक फरियादी धर्मेंद्र सिंह पिता रामबली सिंह निवासी सिद्धांत होस्टल अरबिंदो अस्पताल कैंपस की शिकायत पर डाक्टर सुमित सांघी और उनके साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फरियादी डाक्टर ने पुलिस को बताया कि उनके साथ वार्ड नंबर 109 में मारपीट हुई। वे पीआईसीयू में पेंशेंट देखकर आ रहे थे तभी डाक्टर सुमित उन्हें अबशब्द कहते हुए कहा कि इतनी देर से आ रहे हो जब उन्होंने कहा कि वे पेंशेंट चेक करने गए थे तब आरोपी डाक्टरों ने गालियां दी और मारपीट कर कपड़े भी फाड़ दिए।

चालक पर केस दर्ज

इंदौर। सडक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए युवक की मौत के मामले में पुलिस ने ट्रक चालक को आरोपी बनाया है। नेहरू नगर में रहने वाले विष्णु सुबेदी ने पुलिस को बातया कि विगत 21 अक्टूबर को बायपास पर स्थित एक होटल के सामने से उसका भाई गोपालदास सुबेदी बाइक से गंत्वय की ओर जा रहा था तभी एक लापरवाह ट्रक ड्राइवर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल को एंबुलेंस की सहायता से एमवाय अस्पताल लेकर जब तक वह पहुंचे तो डाक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में मिले ट्रक नंबरों के आधार पर आरोपी चालक पर अपराध दर्ज किया है।

प्लाट के नाम पर धोखाधड़ी

इंदौर। किशनगंज पुलिस ने जितेंद्रसिंह निवासी शांतिनगर महू के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। उसपर आरोप है कि प्लाट के नाम पर 24 लाख रूपए की धोखाधड़ी की है। उसने एक प्लाट दो तीन लोगों को दिखा दिया और उनसे पैसे ले लिए। जब रजिस्ट्री की बारी आई तो पता चला कि उसने इसका सौदा और भी लोगों से किया है। उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज करवाई और सहायक थानेदार राकेश चौहान को मामला सौंपा गया था। जांच मे मुलजिम दोषी निकला जिस पर केस दर्ज किया गया।

तस्कर पकड़ाया

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ की डिलिवरी देने आए बदमाश को दबोचते हुए उसे गिरतार कर हवालात में डाला। बाणगंगा थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर के मुताबिक न्यू विजयनगर में मादक पदार्थ की डिलिवरी होने की सूचना मिलने पर पहले से हरकत में आई पुलिस ने जैसे ही बताए गए हुलिए के युवक को देखा उसे घेराबंदी कर दबोचा और उसकी तलाशी ली तो आरोपी केतन पिता दीपक बुंदेला के पास करीब 15.40 ग्राम ब्राउन शुगर मिली जिसकी कीमत करीब डेढ लाख रूपए बताई जा रही है जिसे जब्त किया गया है। पुलिस ने उक्त बदमाश से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। जांच पड़ताल चल रही है कि वह बाइक कहीं चोरी की तो नहीं है।

ज्योति बाई फूले प्रतिमा पर पथराव करने वालों का पुलिस ने निकाला जुलूस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मूसाखेड़ी चौराहे पर लगे 'योतिबा फुले की प्रतिमा पर पत्थर फेंकने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। घटना पुरानी बताई जा रही है लेकिन वीडियो वायरल होते ही आजाद नगहर पुलिस तुरंत हरकत में आई और प्रतिमा पर पत्थरबाजी करने वाले आरोपियों को गिर तार कर उनके जुलूस निकाला। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया था।

डीसीपी विनोद मीना ने बताया कि, 'योतिबा फुले की प्रतिमा को कुछ लडक्रों ने पत्थर फेंककर उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। वीडियो वायरल होने के कुछ घंटो के भीतर ही आजाद नगर पुलिस ने युवकों को गिर तार भी कर लिया। डीसीपी मीना का के मुताबिक, प्रतिमा पर पत्थर फेंकने के मामले में शुभम पुत्र पूरन सिंह मेहता निवासी इदरीस नगर, राहुल पुत्र कन्हैयालाल, जय सूर्यवंशी पुत्र दिनेश और सोहन पुत्र जयराम राठौर पर भारतीय न्याय सहिंता बीएनएस 202& के अंतगर्त 298 में कारवाई कर गिर तार कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने गिर त में आए बदमाशों का जुलूस निकालकर उन पर डंडे बरसाए। गिर त में आए आरोपी कान पकडक़र माफी मांगने के साथ ही भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा नहीं करने की गुहार लगाते रहे। टीआई नीरज मेढा ने बताया कि पत्थरबाजी करने वाले बदमाशों को जेल भी पहुंचाया गया है।

चाकूबाजों की टीआई ने कराई परेड

इंदौर। तुकोगंज पुलिस ने एक दर्जन चाकूबाजों को गिरफ्तार किया और थाने लाकर टीआई ने उनकी परेड कराई। साथ ही उनसे डोजियर भी भरवाए गए। वहीं टीआई ने स त लहजे में बदमाशों की हिदायत दी कि आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए गए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तुकोगंज थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह यादव ने बताया कि आगामी त्यौहर और कानून व्यवस्था को देखते हुए थाना क्षेत्र के पुराने चाकूबाजों की धरपकड़ की गई। इस दौरान आकाश पिता शंकरलाल जोनवाल,रोहिता जोनवाल,देव पटिया,राहुल गोडवाल,गौरव, राहुल,सौरभ,अतीश,रवि, मोहित,घेनेस, रितिक को पकडकर थाने लाया गया। इनसे ना सिर्फ डोजियर भरवाए गए बल्कि थाने में एकत्रकर परेड भी कराई गई और अपराधों से दूर रहने की हिदायत भी दी। टीआई का कहना है कि लागातर बदमाशों की निगरानी की जा रही है। इनसे डोजियर भी भरवाए गए हैं फिर भी अपराधों में इन की संलिपत्ता पाई गई तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महिला जवान से साथी पुलिसकर्मी ने की छेड़छाड़

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया केस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महिला कॉन्स्टेबल से साथी पुलिसकर्मी ने छेड़छाड़ कर दी। आरोपी ने पीड़िता को कार में बैठाया और सुनसान इलाके में ले गया। यहां कार रोककर छेड़छाड़ करने लगा। पीड़िता चिल्लाने लगी तो आरोपी पुलिसकर्मी उसे घर छोडक़र भाग गया।

भंवरकुआ थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने बताया कि शनिवार पीडिता की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। आरोपी और पीडिता एक-दूसरे को पहचानते हैं। अभी गिर तारी नहीं हुई है। सुखदेव पुलिस के रेडियो विभाग में हेड कॉन्स्टेबल है। पीड़ित महिला कॉन्स्टेबल (&0) ने भंवरकुआ पुलिस को बताया, घटना 21 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे की है। वह दूसरी पलटन इलाके में रहती है। माता-पिता को दीवाली पर गांव जाना था। सुखदेव भी उसी कॉलोनी में रहता है। सुखदेव ने कहा कि रात हो गई है। वह मेरे माता-पिता को अपनी कार से बस स्टैंड पर छोड़ देगा। सुखदेव के साथ मैं और माता-पिता कार में बैठकर सरवटे बस स्टैंड पहुंचे। कुछ देर बाद उन्हें महाराष्ट्र जाने वाली बस में बैठा दिया। बस रवाना होने के बाद सुखदेव के साथ कार में बैठकर घर के लिए निकली। सुखदेव ने कार घर की ओर न लाकर चिडिय़ाघर की ओर ले गया। मैंने पूछा कि यह कौन से रास्ते से चल रहे हैं तो कहने लगा, मुझे कुछ काम है, वह निपटाते हुए चलते हैं। मैंने उस पर भरोसा किया। कुछ देर बाद उसने कार भंवरकुआ की ओर टर्न कर ली। यहां पहुंचने पर मैंने फिर पूछा कि कहां चल रहे हैं तो उसने पहले मुझे बातों में उलझाया। फिर कहा कि भंवरकुआ का नया ब्रिज बन गया है, वह देखकर आते हैं। वह मुझसे रोमांटिक बातें करने लगा। मैंने उसे मना किया तो उसने कार ब्रिज के साइड में खड़ी कर दी। सुखदेव मुझे गलियों में घुमाता रहा और रोमांटिक गाने सुनाने लगा। चिडिय़ाघर और रेसीडेंसी इलाके में एक जगह ले जाकर सुखदेव ने अचानक कार रोक दी। कहने लगा कि मैं रास्ता भूल गया हूं। हम गलत रास्ते पर आ गए। कार के कांच बंद करके मुझे बैड टच करने लगा। मेरे चिल्लाने पर उसने तेजी से कार चलाई और मुझे घर छोड़ दिया। मैंने भाई-भाभी को पूरी बात बताई। इसके बाद भंवरकुआ थाने जाकर सुखदेव के खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

बाइक सवारों ने किया हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सिमरोल इलाके में तेज र तार से जा रहे बाइक चालक ने एक बालक को टक्कर मार दी। जब पिता ने आरोपी चालक से इलाज कराने को कहा तो उसने और साथी ने लात घूसों और डंडे से हमलाकर घायल कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज किया है। थाना सिमरोल पुलिस के मुताबिक हादसा और विवाद ग्राम चोरल में हुआ। फरियादी दीपक पिता कैलाश तिवारी की रिपोर्ट पर आरोपी राजकुमार और सत्यनाराण उर्फ कालू के खिलफ केस दर्ज गया। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मेरे घर के सामने सत्यनाराण उर्फ कालू अपनी बाइक पर मेन रोड की तरफ से तेजगति गाड़ी चलाकर लाया और घर के सामन खड़े मेरे लडक़े जीत को सामने से टक्कर मार दी। इससे जीत को कंधे,पीठ और पैर में चोटें लगी। मैं जब कालू के घर उसको समझाने गया उसे बोला कि मेरे घायल बेटे का इलाज कौन कराएगा? इस बात पर उसने मुझे गालियां दी। उसने और राजकुमार ने डंडे और पत्थर से हमलाकर कर दिया। जाने स मारने की धमकी भी दी।

दंपत्ति और बेटा घायल- सिमरोल क्षेत्र में तेज र तार कार के चालक ने बाइक पर जा रहे परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में दंपत्ति और बेटा घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हादसा तलाई नाका तिराहा सिमरोल में हुआ। पुलिस ने फरियादी अंसार पिता शेख अनवर निवासी बड़वाह की रिपोर्ट पर लाल रंग की अज्ञात कार के चालक पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि आरोपी कार चालक तेजगति और लापरवाही से गाड़ी चलाकर लाया और साइड से बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मुझे सिर और हाथ में, मेरे बेटे असद को चेहरे, हाथ और पैर में और पत्नी यास्मीन को भी चोट आई।

वृद्धाश्रम में मिठाई -नमकीन का वितरण किया

इंदौर। सनबीम सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा एयरपोर्ट रोड़ स्थित वृद्धाश्रम में मिठाई - नमकीन वितरण किया गया। जिसमें संस्था की अध्यक्ष डॉ. नीतू चौहान ने अपने उद्बबोधन में दीपावली पर्व की शुभकामनाओं के साथ सबका उत्साह वर्धन किया। मिठाई - नमकीन वितरण के इस सामाजिक कार्य में सदस्य मनीष चौहान और प्रतीक चौहान उपस्थित थे। अंत में सभी वृद्ध गणों ने संस्था के प्रति दीपावली पर्व की शुभकामना व आशीर्वचन प्रकट किए।

ट्रेनिंग के बाद रोजगार पक्का, मध्य प्रदेश सरकार के इस प्रोजेक्ट से बदल जाएगी युवाओं की तकदीर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ग्रामीण युवाओं के लिए एक नई राह लेकर आ रही है। सरकार के कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने 'यूनिवर्सल सोशल एंगेजमेंट प्रोग्राम' नामक एक पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की है, जो युवाओं को रोजगार से जोड़ने और उनके समग्र विकास में सहायक सिद्ध होगा। इसका पहला चरण राजगढ़ जिले के संडावता गांव में शुरू किया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार या नौकरी के लिए सक्षम बनाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट न केवल युवाओं को रोजगार के अवसर देगा, बल्कि संपूर्ण गांव का विकास सुनिश्चित करेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि का

नया अध्याय शुरू होगा।

युवाओं को तकनीकी रूप से किया जाएगा दक्ष

प्रोजेक्ट के पहले चरण के लिए राजगढ़ जिले के संडावता गांव का चयन किया गया है, जहां 18 वर्ष से अधिक उम्र के लगभग एक हजार युवक-युवतियों की प्रोफाइलिंग की जाएगी। उन्हें उनकी शैक्षणिक, आर्थिक स्थिति के आधार पर रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु ट्रेनिंग दी जाएगी। इस प्रयास में, ग्रामीण युवाओं की तकनीकी दक्षता बढ़ाने और उन्हें स्थायी रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य है। संत शिरोमणि ग्लोबल स्किल पार्क के डायरेक्टर जेएन अग्रवाल ने बताया कि इस प्रोग्राम में सभी युवाओं का डेटा एकत्रित करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है। यह पोर्टल समग्र पोर्टल से जुड़ा रहेगा, जिससे प्रत्येक युवा की शिक्षा, आर्थिक स्थिति, और प्रशिक्षण आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। इस डेटा के आधार पर युवाओं को उनकी पसंद के अनुसार तकनीकी शिक्षा, स्वरोजगार, खेती-बागवानी, या अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण और लोन के प्रोजेक्ट बनाने में भी मदद की जाएगी।

गांव की भी बदलेगी तस्वीर

संडावता गांव के सामुदायिक विकास को ध्यान में रखते हुए, पेयजल, सिंचाई, सड़कों की स्थिति और स्थानीय उत्पादन की मार्केटिंग जैसी गतिविधियों पर ध्यान दिया जाएगा। यह एक पायलट प्रोजेक्ट है, लेकिन भविष्य में इसे राज्य के अन्य जिलों और गांवों में भी विस्तार किया जाएगा।

हर माह के पहले सोमवार को ग्राम सभा

प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए हर माह के पहले सोमवार को ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की देखरेख में सर्वे, प्रशिक्षण और रोजगार संबंधित कार्यों की प्रगति पर नजर रखी जाएगी।

युवाओं को रूचि के अनुसार मदद करेगी सरकार

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने बताया कि यह योजना युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का एक प्रयास है। इससे ग्रामीण युवाओं को स्थानीय और बाहरी बाजारों में रोजगार के अवसर मिलेंगे और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

न तो मावा और न ही घी शुद्ध, 300 किलो नकली मावे के बाद अब 150 लीटर अमानक स्तर का घी जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। दीपावली नजदीक आते ही उज्जैन में मिलावटखोरी के मामले सामने आने लगे हैं। खाद्य विभाग की टीम ने फव्वारा चौक स्थित महावीर इंटरप्राइजेस पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में अमानक स्तर का घी जब्त किया है। इस नकली घी को असली बताकर ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था।

जानकारीके अनुसार फव्वारा चौक स्थित महावीर इंटरप्राइजेस पर खाद्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए करीब 150 लीटर अमानक स्तर का घी जब्त किया है। यह घी इंदौर से एक्सपोर्ट किया जा रहा था और राजस्थान के अलवर में रुद्रांश ब्रांड नाम से बनाया जा रहा था। बाजार में असली घी का मूल्य करीब 700 रुपये प्रति लीटर है, जबकि यह मिलावटी घी 340 रुपये प्रति लीटर में खरीदा गया और दुकानों पर 400 रुपये प्रति लीटर के दाम पर बेचा जा रहा था। हैरानी की बात यह है कि इस घी के डिब्बे पर 'सेहत

का ख्याल' का स्लोगन लिखा था, जबकि यह नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक बताया जा रहा है।

खाद्य अधिकारी बीएस देवलिया ने बताया कि असली घी तैयार करने में कम से कम 500 रुपये का खर्च आता है। मुनाफा जोड़कर बेचा जाए तो 600 रुपये प्रति किलो से कम दाम पर असली घी मिलना मुश्किल है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि रुद्रांश ब्रांड का घी 340 रुपये प्रति किलो कैसे बिक रहा था। विभाग की छापेमारी में यह खुलासा हुआ कि इस काले कारोबार के तार इंदौर और राजस्थान से जुड़े हैं। जांच के लिए इसका सैंपल लिया गया है। फूड डिपार्टमेंट की ओर से महावीर किराना स्टोर पर छापा मारा गया, जहां से डेढ़ सौ किलो घी बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि यह घी राजस्थान से इंदौर के जरिए उज्जैन पहुंचा था। फूड डिपार्टमेंट के अधिकारी बसंत शर्मा ने आशंका जताई है कि इसमें मिल्क फैट के अलावा अन्य फैट भी शामिल हो सकता है। इसका सैंपल भी जांच के लिए भेजा जा रहा है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब इंदौर जिला प्रशासन को भी इसकी सूचना दी जा रही है।

राजस्थान के अलवर में तैयार हुआ नकली घी!

रुद्रांश घी ने केंद्र सरकार का FSSAI लाइसेंस भी ले रखा था। अधिकारियों ने बताया कि यह घी राजस्थान के अलवर में तैयार हो रहा था, जो इंदौर होते हुए उज्जैन पहुंचा। दुकान के संचालक राजेंद्र जैन ने बताया कि वे एक साल से यह घी बेच रहे हैं।

रिटायर्ड डीजीपी के बेटे ने अपना गला काटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल के कमला नगर में रहने वाले छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मोहन शुक्ला के 54 साल के बेटे ने शनिवार शाम आत्महत्या कर ली। तुषार शुक्ला ने ब्लेड से खुद का गला और कलाई की नस काट ली। परिजन उन्हें गंभीर हालत में हजेला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। वे करीब दो साल से डिप्रेशन में थे। इसका इलाज भी चल रहा था। पुलिस का कहना है कि परिवार के बयान लिए जाएंगे। रात में बयान नहीं हो सके। जिस ब्लेड से तुषार ने गला और कलाई की नस काटी, वो भी बरामद नहीं हो सका है। पुलिस के मुताबिक, रिटायर्ड डीजीपी परिवार के साथ कमलानगर के वैशाली नगर में रहते हैं। तुषार शादीशुदा थे। उनका एक बेटा है। शनिवार शाम 5.30 बजे उन्होंने अपने कमरे में ब्लेड से हाथ की नस काट ली। जब उन्हें लगा कि हाथ की नस काटने से जान नहीं जाएगी, तो ब्लेड से अपना गला रेत दिया। गला कटते ही अधिक मात्रा में खून बहने लगा। पत्नी सौम्या शुक्ला की नजर पड़ते ही उन्होंने शोर मचा दिया।

गृह जिले में पदस्थ पुलिसकर्मियों को हटाएगी सरकार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। प्रदेश के गृह विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसमें पुलिसकर्मियों के गृह जिलों में स्थानांतरण पर रोक लगाने का आदेश दिया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी इकाइयों को यह निर्देश जारी किया है कि भविष्य में कोई भी पुलिसकर्मी अपने गृह जिले में अटैच नहीं किया जाएगा।

प्रदेश के गृह विभाग ने पुलिसकर्मियों के गृह जिलों में स्थानांतरण पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी किया है। हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि पुलिसकर्मियों को अक्सर उनके गृह जिले में अटैच किया जा रहा है, जो उचित नहीं माना गया। गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में किसी भी पुलिसकर्मी का उनके गृह जिले में स्थानांतरण या अटैचमेंट नहीं किया जाएगा। विभाग में अन्य स्थानांतरण और प्रतिनियुक्ति के लिए लगातार आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, जिससे यह समस्या और बढ़ गई है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने हाल ही में आयोजित बैठक में कहा कि अधिकारियों को अटैचमेंट से हटाया जाए। लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ पुलिसकर्मियों, जिसमें एएसआई से लेकर डीएसपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इन सभी को स्थानांतरित किया जाएगा। गृह विभाग में कुछ पुलिसकर्मी ऐसे भी हैं जो कार्यालय में बाबूगिरी कर रहे हैं। इन विवादित पुलिसकर्मियों को फील्ड में भेजने की तैयारी है, खासकर उन पर जो बंदूक के लाइसेंस और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों का संचालन कर रहे हैं।

नीलगाय के बच्चे को अजगर ने निगल लिया, इंदौर से भेजी टीम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शिवपुरी। शिवपुरी जिले की खनियाधाना तहसील के सिलपुरा गांव में एक असामान्य और खौफनाक घटना सामने आई जब एक विशालकाय इंडियन रॉक पाइथन ने एक नीलगाय के बच्चे को निगल लिया। इस अप्रत्याशित घटना से गांव के लोग भयभीत हो गए और इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस घटना की जानकारी सबसे पहले सिलपुरा गांव के निवासी नीलम सिंह यादव को उनके भांजे ने दी। जब नीलम सिंह अपने खेत पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि लगभग आठ से दस फीट लंबा अजगर नीलगाय के बच्चे को निगले हुए था। अजगर के खेत में दिखाई देने की खबर आग की तरह फैल गई, और देखते ही देखते ग्रामीण भी वहां जमा हो गए। अजगर की इस घटना की जानकारी नीलम सिंह यादव और ग्रामीणों ने वन विभाग को दी और साथ ही इंदौर के वॉयस कॉल फॉर फाउंडेशन के डायरेक्टर राजेश सिंदूरी से भी संपर्क किया। ग्रामीणों ने इंटरनेट के माध्यम से राजेश सिंदूरी से बातचीत की, जो रेस्क्यू के मामलों में माहिर माने जाते हैं। उन्होंने तत्काल मदद का आश्वासन दिया और अपनी टीम के साथ खनियाधाना के सिलपुरा

गांव के लिए रवाना हो गए। उन्होंने गुना में स्थित अपनी टीम के सदस्यों को भी सूचित किया, ताकि मदद का काम तेजी से पूरा किया जा सके। रेस्क्यू टीम के खनियाधाना के सिलपुरा गांव में पहुंचने के बाद, उन्होंने देखा कि विशाल अजगर पूरी तरह से नीलगाय के बच्चे को निगले हुए था। इससे अजगर की हालत भी खतरे में थी, क्योंकि इतने बड़े शिकार को निगलने के बाद उसके शरीर पर भारी दबाव था। राजेश सिंदूरी और उनकी टीम ने मिलकर अजगर को सुरक्षित निकालने की योजना बनाई। उनका लक्ष्य अजगर को बिना किसी हानि के जंगल में छोड़ना था, ताकि वह वापस अपने प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रह सके। इस रेस्क्यू में बड़ी सावधानी बरती गई, क्योंकि अजगर को किसी भी प्रकार की चोट से बचाना आवश्यक था। कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने अजगर को सफलता पूर्वक रेस्क्यू किया। इस प्रक्रिया में इंदौर की टीम ने वन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया। राजेश सिंदूरी ने बताया कि अजगर ने नीलगाय या हिरण के बच्चे को निगल रखा था। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में अजगर की जान को खतरा हो सकता है। इसलिए उन्होंने कोशिश की कि अजगर के पेट से निगले हुए शिकार को बाहर निकालने का प्रयास किया जाए, ताकि अजगर को कोई आंतरिक चोट न हो और उसकी जान बचाई जा सके। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने के बाद, वन विभाग ने अजगर को जंगल में छोड़ दिया। इस सफल रेस्क्यू के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और राजेश सिंदूरी की टीम के प्रयासों की सराहना की। इस घटना ने वन्यजीवों और मानव के बीच बढ़ती नजदीकियों और संघर्ष की समस्या को भी उजागर किया है। ग्रामीणों ने वन विभाग और रेस्क्यू टीम के प्रयासों की प्रशंसा की और अजगर के जंगल में लौटने पर संतोष जताया। यह घटना न केवल ग्रामीणों के लिए एक अद्वितीय अनुभव था, बल्कि वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी एक उदाहरण बनी।

संपादकीय

अंतरिक्ष युग का सुनहरा दौर बुरे सपने में बदला

दुनिया भर में धरती पर कचरे की वजह से प्रदूषण से लेकर अन्य गंभीर समस्याएं चुनौती बनी हुई हैं। मगर यह समस्या केवल धरती तक सीमित नहीं है। मनुष्य की गतिविधियां अंतरिक्ष में भी कचरा फैला रही हैं। विडंबना यह है कि इसकी चिंता वे बड़े देश भी नहीं कर रहे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। खासतौर पर अमेरिका, चीन, रूस और फ्रांस जैसे कुछ देशों ने जिस तरह प्रयोगों के मामले में होड़ मचाई है, उसी का नतीजा है कि आज अंतरिक्ष में हजारों टन कचरा पृथ्वी की कक्षा के लिए खतरा बन गया है। दूसरे ग्रहों पर जीवन और पानी खोज में या एक दूसरे की जासूसी के लिए सैन्य तथा दूरसंचार उपग्रह आज भी लगातार छोड़े जा रहे हैं। चिंता की बात है कि इनमें से ज्यादातर अपना निर्धारित समय पूरा होने के बाद कबाड़ में बदल जाते हैं। पृथ्वी की कक्षा में इनके आने से स्वाभाविक रूप से जोखिम बढ़ जाता है। इस समय अंतरिक्ष में बड़ी संख्या में निष्क्रिय उपग्रह और राकेट हैं जो आपस में टकरा कर न केवल अंतरिक्ष स्टेशन, बल्कि पृथ्वी के लिए भी खतरा बन सकते हैं। इस समय चार हजार तीन सौ टन उपग्रहीय कचरा मौजूद है। पचास के दशक में शुरू हुआ अंतरिक्ष युग का सुनहरा दौर एक बुरे सपने में बदल जाएगा, यह किसने सोचा था। पिछले दिनों एक अमेरिकी संचार उपग्रह के बीस टुकड़े में बंटने के बाद यह बहस हो रही है कि अब इसके कबाड़ का क्या होगा? अंतरिक्ष में कचरे की पहचान करना और उन्हें नष्ट करना आज भी वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। जितनी बड़ी संख्या में अंतरिक्ष कबाड़ खिसकते हुए पृथ्वी की कक्षा में चले आए हैं, वह सचमुच डरावना है। यह कचरा धरती पर गिरा तो भारी तबाही मच सकती है। अमेरिकी संचार उपग्रह 'इंटेलसैट-33 ई' का अपनी कक्षा में टूट जाना कोई सामान्य घटना नहीं। चिंताजनक यह है कि इसके मलबे के इतने हिस्से बने होंगे कि इसको देख पाना भी मुश्किल होगा। यह अकेली घटना नहीं है। इससे पहले भेजे गए कई उपग्रह प्रयोग में आने के बाद कबाड़ हो चुके हैं। नासा का कहना है कि बीस हजार से अधिक कबाड़ पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं। सवाल यह है कि जिन देशों की वजह से अंतरिक्ष में मलबा जमा हो रहा है, उनकी कोई जिम्मेदारी है कि नहीं?

अर्ज किया है..!

मैं हूँ भी तो लगता है कि
जैसे मैं नहीं हूँ
तुम हो भी नहीं और ये
लगता है कि तुम हो

-अहमद सलमान

OSHO कहिन

मैं किसी से बेहतर करूं क्या फर्क पड़ता है, मैं किसी का बेहतर करूं बहुत फर्क पड़ता है।

सैर सपाटा

देश के प्रसिद्ध कुबेर मंदिर जहां दर्शन मात्र से होती है धन की वर्षा

दिवाली-धनतेरस पर तो यहां रहती है खूब भीड़

भारत एक ऐसा देश है, जहां मंदिर करोड़ों में बने हुए हैं, इसे मंदिरों का घर भी कहते हैं। यहां उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक हर धर्म के हजारों लाखों मंदिर देखे जा सकते हैं। इनमें आपने अभी तक मां दुर्गा, भगवान शंकर, विष्णु जी, गणेश भगवान, मां लक्ष्मी जैसे अनगिनत मंदिरों के दर्शन किए होंगे, लेकिन कभी आपने कुबेर देवता का मंदिर देखा है, जो भक्तों के लिए खास आस्था का केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि कुबेर देव के मंदिरों में जाने से व्यक्ति को धन की प्राप्ति होती है। इस खास दिन भक्त श्रद्धा के साथ मंदिर में जाकर भगवान कुबेर देव से सुख और समृद्धि की मनोकामना करते हैं। साथ ही अगर आप भारी कर्ज से गुजर रहे है, तो उन्हें भी इस परेशानी से छुटकारा मिलता है। चलिए आपको इस लेख के जरिए बताते हैं, कुबेर देव के मंदिरों के बारे में।

उत्तराखंड में कुबेर मंदिर

स बसे पहले बात करते हैं, भारत में मौजूद सबसे ज्यादा प्रचलित कुबेर मंदिर की। ये मंदिर उत्तराखंड के अल्मोड़ा से करीबन 40 किमी दूर मौजूद है। अल्मोड़ा में स्थित कुबेर मंदिर जागेश्वर धाम के अंदर आता है। यहां हर साल धनतेरस और दिवाली के दिन भक्त अपनी-अपनी मन्नत लेकर आते हैं। कहते हैं कि यहां जो भी धनतेरस और दिवाली के दिन आता है, वो कभी भी खाली हाथ नहीं लौटता। ये पवित्र मंदिर एक पहाड़ की चोटी पर स्थित है, इसलिए यहां का नजारा भी लोगों को काफी ज्यादा आकर्षित करेगा।

कैसे पहुंच सकते हैं

नैनीताल या अल्मोड़ा से लोकल बस, टैक्सी या कैब लेकर आसानी से पहुंच सकते हैं। नैनीताल के सबसे पास में आपको काठगोदाम रेलवे स्टेशन पड़ेगा। दिल्ली से नैनीताल के लिए बस भी ले सकते हैं।

मध्यप्रदेश का कुबेर मंदिर

जा नकारी ले लिए बता दें, मध्य प्रदेश में तीन कुबेर मंदिर हैं। पहला- मंदसौर में, फिर दूसरा उज्जैन में भी एक मंदिर है और तीसरा खंडवा के ओंकारेश्वर में भी इसे देखा जा सकता है। हालांकि ये सभी मंदिरों में खंडवा का कुबेर मंदिर सबसे ज्यादा मान्यता प्राप्त है। खंडवा कुबेर मंदिर के बारे में कहते हैं कि यहां केवल दर्शन से ही धन की परेशानी दूर हो जाती है। यहां शिवलिंग भी है। कहते हैं, कुबेर देव ने यहां घोर तपस्या करके शिवलिंग की स्थापना की थी।

कैसे पहुंच सकते हैं यहां

मध्य प्रदेश के किसी भी शहर में ओंकारेश्वर आसानी से पहुंच सकते हैं। ये राजधानी से करीबन 257 किमी की दूरी पर स्थित है। भोपाल से ओंकारेश्वर के लिए ट्रेनें भी चलती हैं। यही नहीं, खंडवा कुबेर मंदिर इंदौर शहर से केवल 78 किमी दूर है।

गुजरात का कुबेर मंदिर

कुबेर भंडारी मंदिर भी देश के पवित्र और प्रसिद्ध मंदिरों में आता है। ये फेमस मंदिर देश के पश्चिमी राज्य गुजरात के वडोदरा शहर में मौजूद है। माना जाता है, इस फेमस मंदिर का इतिहास करीबन 2500 साल से ज्यादा पुराना है। ये नर्मदा नदी के किनारे भी मौजूद है। पौराणिक कथा के मुताबिक, भंडारी मंदिर का निर्माण भगवान शिव ने किया था। मान्यता है कि यहां जो भी धनतेरस और दिवाली पर दर्शन करने के लिए आता है, उसे कभी भी धन की कमी नहीं होती। इसलिए धनतेरस और दिवाली पर यहां सबसे ज्यादा भीड़ रहती है। दिवाली के दिन मंदिर को दीपों से भी डेकोरेट करते हैं।

कैसे आ सकते हैं यहां- मंदिर वडोदरा से करीबन 60 किमी की दूरी पर है, यहां आने के लिए आप वडोदरा से टैक्सी या कैब लेकर पहुंच सकते हैं। गुजरात में यहां करीबन हर शहर से वडोदरा के लिए ट्रेनें दौड़ती हैं।

Jammu & Kashmir

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में आतंकियों का हमला, सेना के वाहन पर बरसाई गोलियां

जम्मू, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर के अखनूर में आतंकियों ने सेना के वाहन को निशाना बनाया और कई राउंड फायरिंग की। सुरक्षा बल फिलहाल बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं। अधिक जानकारी का इंतजार है।

जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के अखनूर में आतंकियों ने सेना के काफिले पर हमला किया है। फायरिंग करने वाले दहशतगर्दों की संख्या तीन से चार बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार,

आतंकी एक स्थानीय मंदिर के आसपास छिपे हो सकते हैं। हमले के बाद बड़ा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम मिलकर तलाशी अभियान चला रही है। फिलहाल इलाके को घेर लिया गया है। जानकारी मिली है कि सोमवार सुबह करीब सात बजे यह हमला हुआ। अखनूर के बटाल गांव के शिव मंदिर के पास घात लगाकर बैठे तीन से चार आतंकियों ने सेना के काफिले पर गोलीबारी की।

New Delhi

दिल्ली में खुले ड्रेन में गिरकर बच्चे की मौत, 3 दिन बाद मिली लाश

नई दिल्ली, (एजेंसी) राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक और मासूम की खुले ड्रेन में गिरने से मौत हो गई है। यह हादसा 23 अक्टूबर को हुआ था। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उसे सीसीटीवी फुटेज से मामले को सुलझाने में मदद मिली। बच्चे की लाश रविवार को मुस्तफाबाद इलाके में खुले ड्रेन से बरामद कर ली गई। पीड़ित परिजनों ने गोकल पुरी थाने में बच्चे के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की छानबीन की तब जाकर घटना की वजह सामने आई। पुलिस ने बताया कि 24 अक्टूबर को इंदिरा विहार के चमन पार्क इलाके के एक निवासी ने गोकल पुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका बेटा रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया है। इसके बाद गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई। फिर बच्चे की तलाश के लिए टीमें गठित की गईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि बच्चा 23 अक्टूबर को शाम करीब 6 बजे लापता हुआ था। फिर पुलिस टीमों ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच टीम ने लोनी और गाजियाबाद के नजदीकी पुलिस थानों को भी सूचित किया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि 23 अक्टूबर को शाम 5.23 बजे घर से निकलने के बाद बच्चा इलाके में घूम रहा था।

Chhattisgarh

धमाके के साथ बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर लगी आग, दो की मौत, 2 घायल

रायपुर, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शनिवार को एक बिल्डिंग में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. साथ ही घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया. वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने से पहले उन्होंने एक धमाका सुना था. न्यूज एजेंसी के मुताबिक, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मिनी माता चौक के पास स्थित आवासीय-सह-व्यावसायिक इमारत की दूसरी मंजिल पर शनिवार देर शाम आग की लपटें उठती देखी गईं, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया. उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मियों, एक दमकल गाड़ी और एक एम्बुलेंस को मौके पर भेजा गया और बचाव अभियान शुरू किया गया. उन्होंने बताया, इमारत के परिसर में घना धुआं भर गया. एक पुरुष और एक महिला बेहोश पड़े मिले. उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. दो अन्य को घायल को बचाया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहीं, मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है. अधिकारी ने बताया, आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है. वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने से पहले एक धमाका सुना था.

Uttarpradesh

झाड़-फूंक करने वाले तांत्रिक के घर बोरे में मिला 25 लाख, पैसों के लिए भिड़ीं महिलाएं

बरेली, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के बरेली में झाड़-फूंक करने वाले तांत्रिक के घर में लाखों रुपये कैश मिला है. इतना ही नहीं उसके यहां से बोरियों में रखे सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद हुए हैं. पुलिस को इसकी जानकारी तब हुई जब झाड़-फूंक करने वाले मियां की तबीयत खराब हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. तांत्रिक के पास कितना पैसा और कहां रखा है, इसकी जानकारी उसके साथ रहने वाली दो महिलाओं को थी. मकान मालिक और उन महिलाओं के बीच रुपयों को लेकर विवाद हुआ, तब ये मामला पुलिस के पास पहुंचा. बरेली के बहेड़ी इलाके में ताबीज देने वाले मियां की तबीयत खराब होने के बाद उन महिलाओं और मकान मालिक के बीच एक करोड़ रुपये के आभूषण और करीब 25 लाख रुपये कैश को हड़पने को लेकर विवाद हो गया. झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कीमती सामान कब्जे में लेकर गई. पुलिस के हाथ में करोड़ों के जेवरात और करीब 25 लाख रुपये नकद देखकर हर किसी की आंखें फटी की फटी रह गईं. पुलिस ने बोरे में भरकर रुपये बरामद किए और अपने साथ लेकर चली गई. अनुमान लगाया जा रहा है कि पुलिस ने मियां के घर से करीब 25 लाख रुपये कैश और एक करोड रुपये के सोने चांदी के बेशकीमती जेवरात अपने कब्जे में लिए हैं.

बताया जा रहा है कि संभल के रहने वाले सैयद अतहर मियां गुरसौली गांव में एक किराए के मकान में रहकर लोगों को ताबीज देने का काम करते हैं. बताया जा रहा है कि शनिवार को अचानक मियां की तबीयत बिगड़ गई. जिसके बाद मियां को अस्पताल में भर्ती कराया गया.

खेल

अफगानिस्तान ने जीता इमर्जिंग एशिया कप का खिताब, फाइनल में श्रीलंका को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली, (एजेंसी) इमर्जिंग एशिया कप 2024 का फाइनल मुकाबला रविवार को अल अमरात में खेला गया। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ए ने श्रीलंका ए को 11 गेंदों के शेष रहते सात विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। टीम ने दमदार प्रदर्शन के साथ खिताब अपने नाम कर लिया।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ए ने सहन आरछिगे की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में सात विकेट पर 133 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान ने सेदिकउल्लाह अटल की 55 रनों की दमदार पारी की बदौलत 18.1 ओवर में तीन विकेट पर 134 रन बनाए और लक्ष्य हासिल कर लिया।

डारविश रसूली के नेतृत्व में अफगानिस्तान ए ने पहली बार इमर्जिंग एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। 18 वर्षीय अल्लाह मोहम्मद गजनफर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने फाइनल में 3.5 के इकोनॉमी रेट से दो विकेट चटकाए जबकि बिलाल सामी को 5.5 के इकोनॉमी से तीन विकेट मिले।

श्रीलंका के लिए सहन अराछिगे ने 64* रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 47 गेंदों में छह चौके लगाए। इसके अलावा निमेश विमुक्ति ने 23 और पवन रथनायके ने 20 रनों की पारी खेली। वहीं, छह बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को भी नहीं छू पाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेदीकउल्लाह अटल ने 55* रन बनाए। इसके अलावा करीम जनत ने तीन छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। वहीं, डारविश ने 24 और मोहम्मद इशाक ने 16* रनों की पारी खेली। श्रीलंका के लिए सहन, दुशान और ईशान ने एक-एक विकेट चटकाए।

सिनेमा

'भूल भुलैया 3' के मेकर्स ने दिखाया दम, 'सिंघम अगेन' से पहले शुरू हुई बुकिंग, बिक गए इतने टिकट

दिवाली वाला हफ्ता आ गया है और इसके साथ ही बॉलीवुड के एक धमाकेदार क्लैश का काउंटडाउन भी शुरू हो चुका है. अजय देवगन स्टारर 'सिंघम अगेन' और कार्तिक आर्यन स्टारर 'भूल भुलैया 3' इस शुक्रवार थिएटर्स में टक्कर लेने के लिए तैयार हैं.

दोनों ही फिल्में बड़ी बॉलीवुड फ्रैंचाइजी से आ रही हैं और दोनों में ही काफी स्टार पावर है. दोनों ही बड़े बजट के मेनस्ट्रीम मसाला एंटरटेनर फिल्में हैं. ऐसे में बेहतर तो ये होता कि इनका क्लैश होता ही नहीं, क्योंकि इससे दोनों फिल्मों को नुक्सान ही है. मगर अब क्लैश हो रहा है, तो एक दूसरे के मुकाबले अपना दम दिखाने की होड़ भी होनी ही है. इस होड़ की शुरुआत हो चुकी है और 'भूल भुलैया 3' के मेकर्स ने अभी से तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं.

दो बड़ी बॉलीवुड फिल्मों का क्लैश फिल्म बिजनेस में तगड़ी खींचतान लेकर आया है. दोनों फिल्मों में थिएटर्स और स्क्रीन्स को लेकर काफी कॉम्पिटीशन चल रहा है. दोनों ही फिल्मों के मेकर्स थिएटर्स को अपने फेवर में करने के लिए मार्किट में मेहनत कर रहे हैं. और ऐसे में 'भूल भुलैया 3' के मेकर्स ने पहला दांव खेल दिया है.

1. **Farmhouse linked to KTR's relative raided near Hyd, alcohol seized**
2. **Sacked IAS trainee Puja's father Dilip Khedkar to fight Maharashtra elections**
3. **Sale of platform tickets suspended in Delhi after Mumbai stampede**
4. **What is known about India's first private aircraft assembly plant in Gujarat?**
5. **Terrorists fire at Army vehicle in J&K's Akhnoor, no injuries reported**

Indians lose ₹120 crore in digital arrest frauds, 46% of digital scamsters from Myanmar, Laos, Cambodia

NEW DELHI, (Agency). Indians lost ₹120.3 crore just from digital arrest frauds during the first quarter of this year alone, according to an Indian Express report which cited data from the Ministry of Home Affairs (MHA).

The issue was even highlighted by Prime Minister Narendra Modi in the 115th episode of Mann Ki Baat on Sunday, October 27, 2024.

46% of such digital fraud cases including digital arrests, trading scams, investment scams (task based) and romance/dating scams reported in this period involved scamsters based in Myanmar, Laos and Cambodia, according to the report, which added that the victims lost a cumulative amount of ₹1,776 crore.

Victims lost ₹1,420.48 crore in trading scams, ₹222.58 crore in investment scams, and ₹13.23 crore in romance/dating scams, according to the report which quoted Indian Cybercrime Coordination Centre (I4C) Chief Executive Officer Rajesh Kumar as saying.

There were 7.4 lakh complaints made between January 1 and April 30, 2024, with 15.56 lakh complaints received in the entirety of 2023, 9.66 lakh complaints in 2022, and 4.52 lakh in 2021.

"The cybercrime operations based in these countries employ a comprehensive array of deceptive strategies, including recruitment efforts by exploiting social media to lure Indians with fake employment opportunities," the report quoted Kumar as saying.

What are digital arrests?

Victims get a call with the caller claiming they had sent or will send parcels containing illegal goods, drugs, fake passports, or others.

In some other cases, the scamsters would call and tell friends and family of victims that the victim is involved in a crime.

The would go on to target their victim through a video call, wearing uniforms and claiming t be law enforcement, and then demand money for closing the case.

Waaree Energies IPO listing today, find details of GMP, trading time, prices

NEW DELHI, (Agency). Waaree Energies IPO: The listing date for solar PV module manufacturer Waaree Energies is today on Monday, October 28, 2024, with the public issue being open for subscription from October 21 to 23 and the allotment being on October 25.

"Trading Members of the Exchange are hereby informed that effective from Monday, October 28, 2024, the equity shares of Waaree Energies Limited shall be listed and admitted to dealings on the Exchange in the list of 'B' Group of Securities," a BSE notice read.

The stock will be available to trade from 10:00 AM today and will be part of a Special Pre-open Session (SPOS) as well.

The listing price may be around ₹2,777 a piece when adjusted with a premium of 85% to the ₹1,503 per share IPO price. The company's grey market premium (GMP) is in the range of around 80-100% and around ₹1,274 per share. The company already raised ₹4,321.44 crore from the book-built issue from a fresh issue of 2.4 crore equity shares worth ₹3,600 crore and an offer for sale (OFS) of 48 lakh shares amounting to ₹721.44 crore.

शादी से पहले की जांच हो या किसी कोर्ट केस से संबंधित सबूतों की जरूरत....

व्यक्तिगत-व्यापारिक जीवन में कोई शंका या सबूत की जरूरत.....

कहीं किसी के द्वारा धोखा या छल तो नहीं किया जा रहा...

जांचिए ! परखिये !!

ऐसे सारी परिस्थितियों के लिए

"डिटेक्टिव" को अपना मित्र बनाए ...

गोपनीयता और विश्वनीयता के साथ जांच करवाएं.....तब निर्णय करें।

समाज में जागरुकता फैलाये।

FOLLOW US

www.detectivegroup.in
www.detectivesgroup.com
9111050101

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth.

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9111156060 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक